



आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा वन महोत्सवकार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत झूंसी क्षेत्र के संस्कृति वन, सदगुरु सदाफलदेव आश्रम तथा केन्द्र की अनुसंधान पौध गाला, पड़िला में भाहीद स्मृति वन क्षेत्र में अधिक मात्रा में पौधारोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों एवं आश्रम सदस्यों के साथ स्थानीय ग्रामीण वासियों ने बढ़-चढ़कर पौधों की विभिन्न किस्मों को रोपित किया।

प्रथम मुख्य पौधारोपण दिनांक 06 जुलाई, 2022 को संस्कृति वन, सदगुरु सदाफलदेव आश्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम की भुरुआत केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह तथा आश्रम के प्रमुख गुरुमाता सु गिला देवी ने आम तथा पारिजात के पौधों को रोपित करते हुए किया। डा० संजय सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा स्थानीय ग्रामीण वासियों को फलदार वृक्ष लगाने के साथ पर्यावरण संरक्षण हेतु अन्य वृक्षों को भी रोपित करने का आहवान किया। उन्होने पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। आश्रम में विभिन्न प्रजातियों के लगभग 1000 पौधे रोपित किये गये।

उक्त क्रम में द्वितीय मुख्य पौधारोपण दिनांक 07 जुलाई, 2022 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान पौध गाला, पड़िला स्थित भाहीद स्मृति वन में भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डा० अजय भांकर, सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मध्य प्रदे । एवं प्रो० प्रदीप श्रीवास्तव, वनस्पति विज्ञान विभाग, इच्छिंग कि चन कालेज, सम्बद्ध इलाहाबाद वि विद्यालय, प्रयागराजउपस्थित रहकर पौधारोपण किया। डा० अजय भांकरद्वारा वन महोत्सव पर चर्चा करने के साथ पौधारोपण हेतु उपलब्ध पौधों की विभिन्न किस्मों की सराहना भी की गयी। प्रो० श्रीवास्तव ने ग्लोबल वार्मिंग का पर्यावरण पर प्रभाव पर प्रका । डालते हुए वन महोत्सव को महत्वपूर्ण बताया। उन्होने प्रदूशण दूर करने और पर्यावरण संरक्षण हेतु “एक पेड़ के बदले दस पौधे” लगाने का मंत्र दिया। केन्द्र के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर किये जा रहे पौधारोपण कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी तथा अन्य कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये। महोत्सव में विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत भोध छात्रों के साथ उपस्थित स्थानीय ग्रामीण वासियों ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। विभिन्न स्थानों पर रोपित किये गये पौधों की प्रजातियों में क्रम ।: जामुन, सीता अ गोक, इमली, कदम, अर्जुन, भी अ, कटहल, आम, बड़हल, करंज, अमरुद, औंवला आदि प्रकार के सम्मिलित थे।

## पर्यावरण सुदृढता: वन महोत्सव एक माध्यम

DT Desk · July 6, 2022



प्रयागराजा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सुधवार को आजादी का अनुग्रह महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्टप्यापिन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा बनाए गए इसी क्षेत्र में स्थित रामकृत वन-सदाचालन आश्रम ने वन महोत्सव के लक्ष्य अवधारणा पर प्रयागराजी के पोरे टोपीपांडि लिये गये। केन्द्र प्रमुख डॉ रमेश लिख तथा आश्रम की प्रमुख गुणकात्मका सुधीला देवी ने अब तथा पारिजातक के पोरों को टोपीकाट करते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की क्षुण्णात की।



डां सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा नजदीकी की ग्राम वासियों को फैलाडार दृश्य लगाने के साथ पर्यावरण बचाने के लिए अचूक वृक्षों को रोपित करने का आलिङ्कन किया। उन्होंने पर्यावरण जगनकर्ता के अंतर्गत देशिक जीवन में उपयोग कराने वाली हवाकिटाकट बदलौरी से भी अवगत कराया, जिसने पर्यावरण को क्षति पहुँचानी है बाख ही इनको नष्ट करने के तटीके पट चर्चा की। गुरुमाता सुखीला देवी ने पर्यावरण को महत्व को ध्यान में ढारते हुए रोपित किये गये पोधों की देखालत तथा स्थान स्थान पर निर्दिश—जुरुद—इंड वालीधोरोपन करने का आभासन दिया। आश्रम के सचिवीदारं, टार्जेट प्रटार तथा विप्रव बहादुर के साथ केन्द्र की विदिष केजालिक डां अनीता तोमट, डां कुरुकु दूधे, आलिक यादव एवं डां अनुबा श्रीवालत एवं विदिष तकमीकी अधिकारी डां एसा ठी० श्रुत्का व टटन गुरुता ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु एक—एक पोधे टोपित किये।

महीसुस्त्र जै उपचित्र आश्रम के सदस्यों ग्रामीण वासियों एवं केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न पटियालाओं में कार्यालय शोधघाराओं ने भी विभिन्न किटों के पोथों को टोपित किया। आश्रम ने विभिन्न प्रजातियों जैसे पाटियाला, बीकानेर, कटहल, आग, बड़ल, महुआ, करन, अमरनाथ, अंतिल, बांस सहजन हरं एवं अन्य प्रकार के लगभग 1000 पोथे टोपित किये गये।



## वन महोत्सव पर्यावरण सुदृढता का एक माध्यम

प्रयागराज(नि. स.)। आजादी का अमृत महोत्तम के अंतर्गत पारिषु-पुण्यस्थान वन अनुष्ठान केंद्र द्वारा नगर के सूखी क्षेत्र में स्थित वन-सदाशिव आश्रम में वन महोत्तम के शुभ अवसर पर विभिन्न प्रजातियों को पौधे रोपित किये गए। केन्द्र प्रमुख डा. संजय तथा उनकी पुस्तकालय सुशीला देवी ने आम तरीके परिजात के पौधों को रोपित करते हुए वन महोत्तम कार्यक्रम से श्रुतात की। डा. शंखन ने कार्यक्रम में उन्निसवार से सभी सदस्यों तथा जड़दीकी ग्राम वासियों को फलदार बुक लगाने के साथ पर्यावरण बढ़ावा के लिए अन्य विद्युत कराया। उन्होंने पर्यावरण का जागरूकता के अंतर्गत दैनिक जीवन में उत्योगा

होने वाली हानिकारक रस्तुओं से भी अवगत कराया, जिनसे पर्यावरण को क्षति पहुँचती है हांडा को नद करने के तरीके पर चर्चा की। गुरुमाता सुशीला देवी ने पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए रोपित किये गये पौधों की देखभाल तथा समय समय पर निराएँ - डुडाईं व पौधोंरोपण करने का आवासन दिया। आश्रम के सचिवदानंद, राजन्द्र प्रसाद तथा विजय बहादुर के साथ केंद्रीयी की वरिच वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर, डॉ कुमुद दूबे, अलोक यादव एवं डॉ अनुभा श्रीवास्तव एवं वरिच तकनीकी अधिकारी डॉ एसा डॉ शुक्ला व रत्नन गुणा - एक पौधी रोपित सरकंस हुए एक ने एक पौधी रोपित किये। महात्मा में उपस्थित आश्रम के



सदस्यों ग्रामीण वासियों एवं केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं मार्गरेट शाहीयों ने भी विभिन्न विस्तोरों के पौधों को रोपित किया। आश्रम में विभिन्न

# पर्यावरण सुदृढता: वन महोत्सव एक माध्यम



प्रयागराज (नि.सं.)

बुधवार को आजदी का अमर महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान दंगा द्वारा नारे के झूंझी क्षेत्र में स्थित संस्कृत वन-संग्रहालय आवास में न महोत्सव के शभू अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। केन्द्र प्रमुख डॉ. सराज सिंह तथा आश्रम की प्रमुख रुमाता सुरीला दीपी ने अम तथा परिवार के पौधों को रोपित करते हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की। डॉ. सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित आश्रम के सभी सदस्यों तथा नजदीकी ग्राम वासियों को फलनव वृक्ष लगाने के साथ पर्यावरण बचाने के लिए अन्य वृक्षों को रोपित करने का आङ्गन किया। उन्होंने पर्यावरण जगानुसारक को अंतर्गत देनिक जीवन में उपयोग होने वाली हानिकारक वस्तुओं से भी अवित

कराया, जिनसे पर्यावरण को क्षति पहुँचाती ही साथ ही इनको नष्ट करने के तरीके पर चर्चा की। गुरुमाता शुक्रलाल देवी ने पर्यावरण के महत्व को ध्यान में रखते हुए रोपित किये गये पौधों की देखभाल तथा समय समय पर निराकार-गुरुदास व पौधारोपण करने का आशासन दिया। आश्रम के सचिवानन्द, राजेन्द्र प्रसाद तथा विजय बहुमत के साथ कठोर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अनुषा तोमर, डॉ. कुमुद द्वे, आलाक यादव एवं डॉ. अनुषा श्रीवारत्न एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी. शुक्रल व रजन मुसा ने पौधे परिवर्तन की लिये एक-एक पौधे रोपित किये। आश्रम में विभिन्न प्रजातियों जैसे पारिजात, शीशम, कटहल, आम, बडहल, महुआ, करज, अमरुद, अवला, बांस सहजन एवं अन्य प्रकार के लगभग 1000 पौधे रोपित किये गये।

# प्रयागराज

## प्रकृति में सुधार : वनीकरण एक साधन

कार्यालय चंद्राद्वारा

काव्यालय संवादालय

प्रयागराजा। आज जायदाद की अनुमति महोसूलत के बंतर्गत पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान पौधाशाला, पहिला मैं वन महोसूलत के शुभ अवसर पर विभिन्न-न्यायिकों के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम की उत्तराधिकारी अनिता के रूप में उत्सवित होने अंतर्गत छोटा अंजन कुमार, सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षण, मध्य प्रदेश एवं प्रो। प्रदीप शर्मा, वनस्पति विभाग, हैंसीओरी, प्रयागराज एवं केन्द्र प्रमुख डाया। संस्कृत सिंग द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित करके किया गया। डॉ। अंजन कुमार ने वन महोसूलत पर प्रकाश डालकर एक बड़ी परोपकार नूत्रित उत्तराधिकारी को विभिन्न किस्मों की सराहना की। प्रो। श्रीवास्तव ने गुरुवार वर्षभिंत से धूरे करते हुए वन महोसूलत को महात्मावाचार्य। प्रमुख डाया से कार्यक्रम में उत्तराधिकारी वार्ताओं को पर्याप्तता संरक्षण होते। अंजन मात्रा में पौधाशाला करने को आदिन किया। उद्घाटन प्रदूषण दूर करने और पर्यावरण बढ़ावने हेतु एक के बड़ले दस घें लालोंने का मंत्र दिया। केन्द्र की विरचि जैनानिक डा० अनीता तोमर, डा० अमृता दुर्वे, अदाक यादव एवं डा० अनुमति श्रीवास्तव एवं रविंद्र तनाती एक अधिकारीकांडा डा० एसा ३० डी० शुक्ला व रतन अनुमति ने भी पर्यावरण संरक्षण हेतु एक - एक पौधे रोपित किये। महात्मा उत्तराधिकारी वार्ताएँ एवं केन्द्र के कर्मचारियों के साथ विभिन्न पर्यावरणाओं में कार्यकृत विभिन्न किस्मों के पौधे लगाया। पौधाशाला में विभिन्न प्रजातियों जैसे अनुरुद्ध, शीशम, कटहल, आम, बडहल, महारु, करंज, अमरुद, ओवला, बौंस, सजन एवं अन्य प्रकार के लाखों ५०० से अधिक पौधे विभिन्न स्थानों पर रोपित किये गये।

